

# Hindi Diary/हिन्दी डायरी

## त्रिविम मुद्रण या 'श्री-डी प्रिंटिंग'

श्रीमती मिताली अग्रवाल

जनसंपर्क अधिकारी

KID: 20220103



त्रिविम मुद्रण या 'श्री-डी प्रिंटिंग' (3D printing या additive manufacturing (AM)) त्रि-विमीय वस्तुएँ बनाने की बहुत सी विधियों में से एक विधि है। इस विधि में कम्प्यूटर के नियन्त्रण में वस्तु पर किसी पदार्थ की परत-दर-परत डालते जाते हैं और वस्तु तैयार होती जाती है। निर्मित होने वाली वस्तुएँ किसी भी आकार और ज्यामिति वाली हो सकती हैं। निर्माण के पूर्व वस्तु का त्रिविम डेटा स्रोत तैयार कर लेते हैं और कम्प्यूटर के नियन्त्रण में त्रिविम प्रिन्टर द्वारा इसी के अनुसार परतें डाली जाती हैं। वस्तुतः त्रिविम प्रिन्टर एक औद्योगिक रोबोट है।

हाथ से बनी एक जैसी दो सपाट तस्वीरों में गहराई यानी श्री डी का भ्रम पैदा करनेवाली सबसे पहली मशीन यानी 'स्टीरियोस्कोप' ब्रिटिश वैज्ञानिक सर चार्ल्स व्हीटस्टोन ने 1838 में बनायी थी। 1988 में वर्तमान काल में जो तकनीकी ज़्यादातर 3 डी प्रिन्टर में प्रयोग की जाती है, की खोज हुयी थी। इसके खोजकर्ता थे एस. स्कॉट क्रम्प।

आईआईटी हैदराबाद ने एडिटिव मैनुफैक्चरिंग के क्षेत्र में भी कई पहल की हैं। 2020 में आईआईटीएच ने एडिटिव मैनुफैक्चरिंग में एक इंटरडिसिप्लिनरी एमटेक भी शुरू किया है। किराIITH के इस अद्भुत अंक में एडिटिव मैनुफैक्चरिंग के क्षेत्र में व्यापक शोध के बारे जाना जा सकता है। आशा है भविष्य में आईआईटीएच एडिटिव मैनुफैक्चरिंग के क्षेत्र नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।



## इसे मत पढ़िए

श्री नवीन श्रीवास्तव

हिंदी प्रकोष्ठ

KID: 20220104



वर्तमान युग ऐसा है कि लोगों को जो काम करने के लिए मना किया जाता है, लोग वही करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं और नियमों का उल्लंघन करते रहते हैं। जैसे सड़कों पर कई जगह लिखा रहता है 'नो पार्किंग' (यहाँ गाड़ियाँ मत खड़ी कीजिये) फिर भी लोग वहीं गाड़ियाँ शान से खड़ी कर देते हैं। बसों में सीटों पर लिखा रहता है - 'महिलाओं के लिए आरक्षित'। फिर भी उन सीटों पर पुरुष बैठ ही जाते हैं। रेलगाड़ियों में और सार्वजनिक स्थानों पर जहाँ भी लिखा होता है - 'सिगरेट पीना मना है'। फिर भी लोग वहीं सिगरेट पीते हैं।

और अब आप को ही देख लीजिये आप भी तो यही कर रहे हैं। जब आपसे शुरू में ही कहा गया कि 'इसे मत पढ़िए' और आप है कि इसे पढ़ते जा रहे हैं।



## बेटियां

सुश्री सैयद मोमिन सुल्ताना

प्रोजेक्ट असिस्टेंट - तिहान

KID: 20220105



अंगना में खिलती एसी फूल हैं बेटियां  
अपनी गुडिया को भी संग सुलाकर  
बचपन से ही मम्ता सिखाएंगी बेटियां  
थोड़ा हंसाकर तो देखो  
सदैव प्यार करना सिखाएंगी बेटियां।

रहने दो इन छोटे हाथों में चार किताबें  
अपनी मां की कोक में बच गयी  
दहेज़ से भी बच जाएंगी बेटियां  
नयनों में सपने समाए,  
बिन पंख के भी उड़ जाएंगी बेटियां  
थोड़ा मौका दे कर तो देखो  
जो ठान लिया, वो करके दिखाएंगी बेटियां।

नर्मों की परछाई, दिल का सुकून है  
बेटी है वो, बोझ नहीं  
पलकों पर समंदर समाए  
हंसते सह जाती हैं बेटियां  
थोड़ा इशारा कर के तो देखो  
बिखरे टुकड़ों को समेट लेंगी बेटियां।

पापा की लाडली, मां की जान  
ब्याह के बाद दो घरों की पहचान है बेटियां  
एक बार दहलीज पार कर  
अपने ही घर की महमान बन जाएंगी बेटियां।

